समीक्षा

2020 – 2021

महिला उमंग प्रोड्यूसर्स कम्पनी लिमिटेड

ग्राम नैनी, पोस्ट आफिस कालिका, रानीखेत, ज़िला–अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड

फ़ोन नं0 9410796757/ 9456595121

E: info@umang-himalaya.com www.umang-himalaya.com

परिचय

महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड महिलाओं का एक सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठन है, जिसका पंजीकरण कंपनी अधिनियम 1956 के तहत दिनांक 09 जनवरी 2009 को किया गया।

उमंग का प्रमुख कार्यालय, 'हाउस ऑफ उमंग' ग्राम नैनी में, ज़िला अल्मोड़ा, रानीखेत के पास स्थित है। उमंग एक कंपनी ही नहीं बल्कि एक सपना है, एक विचार और जीने का एक अन्दाज़ है। **उमंग का लक्ष्य पर्वतीय महिला उत्पादकों को आजीविका के अवसर प्रदान कर उनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाना है।**

इस संगठन की यात्रा पान हिमालयन ग्रासरुट्स डिवेलपमेंट फाउण्डेशन के मार्गदर्शन में स्वयं सहायता समूहों का गठन कर विभिन्न सामुदायिक तथा प्राकृतिक संरक्षण/संवर्धन एवं आजीविका विकास कार्यक्रमों द्वारा पर्वतीय महिलाओं का सशक्तीकरण कर इस क्षेत्र में अनुकूल आर्थिक एवं सामुदायिक पृष्ठभूमि तैयार करना है।

उत्पादक कम्पनी का मुख्य उद्देश्य आजीविका कार्यक्रमों को सामाजिक एवं आर्थिक रुप से कमजोर उत्पादक सदस्यों के हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाना है। सभी उत्पादक सदस्यों का कम्पनी पर समान हक सुनिश्चित किया गया है। कंपनी की सभी व्यावसायिक गतिविधियां सीधे उत्पादक सदस्यों द्वारा नियंत्रित की जाती हैं तथा उत्पादक सदस्य ही कम्पनी की सम्पूर्ण चल–अचल सम्पत्ति के मालिक हैं। उत्पादक कम्पनी का ढांचा उत्पादन के साथ–साथ मुनाफे का अधिक से अधिक प्रतिशत सीधे उत्पादक सदस्य के पास पहुंचाने में सहायक हुआ है।

अपने निर्धारित लक्ष्य के आधार पर उमंग अपने उत्पादक सदस्यों को पंद्रह हज़ार प्रति वर्ष की आय सुनिश्चित करा पाने के लिए कार्यरत है। अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उमंग उत्पादक संगठन पारदर्शिता, गुणवत्ता, स्वावलम्बन, मांग के अनुसार परिवर्तन एवं उचित व्यापार के मूल सिद्धान्तों पर सदा कार्यरत रहेगी।

मुख्य अंश

अपने लक्ष्य एवं मूल सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए उमंग उत्पादक संगठन ने फ़ेयर ट्रेड/उचित व्यापार प्रमाणीकरण प्राप्त किया। जो सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक संस्था लैंगिक समानता, उचित मूल्य भुगतान, पर्यावरणीय सुरक्षा, बेहतर कार्य स्थिति एवं बाल मज़दूरी विरोधी मूल्यों के साथ–साथ आर्थिक रुप से पिछड़े कामगारों को कार्य के अवसर प्रदान करती है। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय, गैर सरकारी संस्था फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) ने उमंग महिला उत्पादक संगठन को उचित व्यापारिक मूल्यों पर खरा पाया और फेयर ट्रेड प्रमाण पत्र जारी किया।

समीक्षा वर्ष के दौरान सेल्फ़ हैल्प संस्था देहरादून के द्वारा चलाई जा रही ''सिक्योर हिमालय परियोजना'' के अंतर्गत गंगोत्री क्षेत्र उत्तरकाशी के 5 गाँवों के 13 सदस्यों ने कुशल संचालन, उत्पादों की गुणवत्ता व बाजारीकरण की प्रक्रिया को समझने हेतु उमंग संस्था का भ्रमण किया।

समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग के द्वारा ''माउंटेन हाई'' के माध्यम से अपने उत्पादों की बल्क बिक्री के लिए कोशिश की गयी, जिससे काश्तकारों को अधिक लाभ मिल सके।

विगत वर्षों की भांति इस बार भी उमंग ने फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) की वार्षिक आम सभा, दिल्ली में प्रतिभाग किया। इस सभा में सभी सदस्य प्रोड्यूसर्स कम्पनियों की ई–कॉमर्स तथा महिला ई–हाट के द्वारा उनके उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के प्रयास करने की बात की गयी।

समीक्षा वर्ष के दौरान फेयर ट्रेड फोरम इण्डिया द्वारा चालित स्त्री परियोजना के अंतर्गत उमंग के बुनाई लीडरों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने व बाजारीकरण के नवीनतम उपायों को अपना कर आय वृद्धि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ष 2020–21 के दौरान उमंग ने पहली बार बुनाई उत्पादों की विदेश में बिक्री के लिए प्रयासों के अंतर्गत मोजो पाण्डा एक्ज़िम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के साथ समझौता किया व विभिन्न उत्पाद साझा किये गये। इन प्रयासों के चलते उमंग ने The Global Organic Textile Standard (GOTS) ***वैश्विक जैविक कपड़ा मानक*** का प्रमाणीकरण भी प्राप्त किया। इस प्रमाणीकरण के अंतर्गत कपड़ा व अन्य पहनने वाले उत्पादों के लिए कुछ वैश्विक जैविक मानक निर्धारित किये गये हैं।

वर्ष 2020–21 में कोविड के चलते रोजगार में भारी कमी व आर्थिक कमजोरी के कारण **36** गाँवों के **55** समूहों से **838** महिला सदस्यों द्वारा समूह की जमा धनराशि से ₹ 56,86,300 की राशि वितरित की गयी जिससे उन्हें मुश्किल समय में आर्थिक मदद मिली।

समीक्षा वर्ष के दौरान कोविड महामारी से प्रभावित लोगों के लिए आर्थिक मदद हेतु उमंग व ग्रासरूट्स संस्था के सहयोग से विशेष धनराशि का प्रबन्ध भी करवाया गया।

संक्षिप्त रूप से समीक्षा वर्ष के दौरान आजीविका कार्यक्रमों को उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर, ज़िले के **8** विकासखण्डों के लगभग **67** गाँवों व हिमाचल प्रदेश के सिरमौर ज़िले के **21** गाँवों में संचालित किया गया। समीक्षा वर्ष के अन्त तक संचित रूप से **107** अंशधारक स्वयं सहायता समूहों के **905** सदस्य कार्यरत हैं।

महिला स्वयं सहायता समूह – उमंग उत्पादक संगठन

समीक्षा वर्ष 2020–21 के दौरान कोविड महामारी के चलते समूहों का मूल्यांकन नहीं हो पाया।

समीक्षा वर्ष 2019–20 तक सभी स्वयं सहायता समूहों का मूल्यांकन कर उन्हें पुनः व्यवस्थित करने की प्रक्रिया के दौरान परिणाम स्वरुप संचित रुप से कुल **161** समूह क्रियाशील रहे इनमें कुल **2,354** (दो हज़ार तीन सौ चौवन) महिला सदस्य व वर्ष के अन्त तक इन समूहों के कोष में ₹ **1,27,80,557** (एक करोड़ सत्ताइस लाख अस्सी हजार पांच सौ सत्तावन) जमा हो चुका था।

संचित रूप से देखने पर इन महिलाओं द्वारा इस समीक्षा वर्ष के दौरान ₹ 29,35,340 (उन्तीस लाख पैंतीस हज़ार तीन सौ चालीस) **अपने स्वयं सहायता बचत कोष में जमा किया गया जो प्रतिदिन ₹ 8,042** (आठ हज़ार बयालीस) **की बचत हुई।** जिस पर समूहों को ₹ **2,73,810** (दो लाख तेहत्तर हज़ार आठ सौ दस) ब्याज के रूप में बैंक से प्राप्त हुआ। इस वर्ष **371** महिला सदस्यों ने इस जमा राशि से कुल ₹ **86,05,569** (छियासी लाख पांच हज़ार पांच सौ उन्हत्तर) ऋण लिया, इस ऋण पर समूहों ने कुल ₹ **4,94,199** (चार लाख चौरानबे हज़ार एक सौ निन्यानबे) ब्याज के रूप में अर्जित किया। समूह की महिलाओं ने इस ऋण का उपयोग अपने आवश्यक कार्यों की पूर्ति के लिए किया। सभी महिलाओं ने समय पर ऋण वापस किया। इन महिलाओं की नियमित रुप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है।

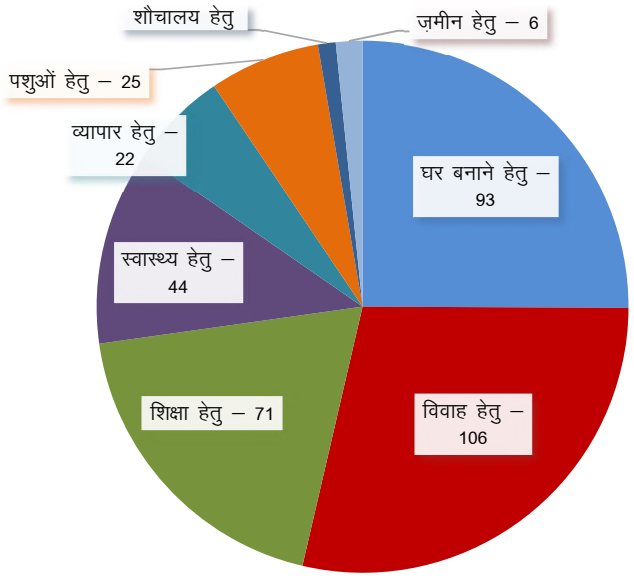

बचत एवं ऋण के साथ–साथ **समीक्षा वर्ष 2020–21** में उत्तराखण्ड के 86 (53 %) स्वयं सहायता समूहों के 659 (28 %) सदस्य उमंग के आयवर्धन कार्यक्रमों में सहभागिता निभा रहे हैं।

समूह की महिलाओं के द्वारा उपरोक्त सभी आजीविका कार्यक्रमों के अतिरिक्त कई पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यक्रमों में भी अपना योगदान दिया गया जिसके अंतर्गत मुख्य रुप से स्थानीय पेड़ों के रखरखाव व थावले बनाने का काम जारी रखा गया। इसके अलावा खाल चाल की मरम्मत, जंगल को आग से बचाने के प्रयास भी जारी रहे।

उमंग आजीविका कार्यक्रम : एक झलक

उमंग में प्रमुखतः चार व्यावसायिक इकाईयां / आजीविका कार्यक्रम हैं –

क्र. स.	कार्यक्रम का नाम	कुल लाभान्वित सदस्य	कुल उत्पादन		सदस्यों की उत्पादन से आय ₹	प्रति सदस्य औसत आय ₹
			मात्रा	मूल्य ₹		
1	बुनाई	407	5,949 पीस	30,38,807	11,85,682	2,913
2	फल संरक्षण	120	8,021 कि0	10,67,096	3,43,376	2,861
3	हिमखाद्य	467	28,664 कि0	42,29,491	24,03,120	5,146
4	शहद	3	1,391 कि0	6,42,790	1,32,145	44,048
	कुल			**89,78,184**	**40,64,323**	

उमंग के द्वारा वर्ष 2020–21 के दौरान कुल 830 सदस्यों ने उपरोक्त आजीविका कार्यक्रमों में व 19 प्रतिशत प्रतिभागी 158 सदस्यों ने एक से अधिक कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया है।

उमंग विक्रय विवरण

क्रम संख्या	कार्यक्रम	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	बिक्री में प्रति ईकाई योगदान %
1	बुनाई	53,26,413	44,71,739	37
2	फल संरक्षण	27,23,751	23,08,263	19
3	हिमखाद्य	49,01,872	42,62,497	36
4	शहद	10,78,900	9,38,886	8
	कुल	**1,40,30,936**	**1,19,81,386**	**100**

इस वर्ष उमंग ने निम्नलिखित 7 स्रोतों के माध्यम से अपने उत्पादों की कुल बिक्री ₹ 1,19,81,386 (एक करोड़ उन्नीस लाख इक्यासी हज़ार तीन सौ छियानबे) की। वित्तीय वर्ष में ₹ 3,88,417 (तीन लाख अट्ठासी हज़ार चार सौ सत्रह) बिक्री कर के रूप में जमा किया।

क्रम सं.	विक्रय स्रोत	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	नैट बिक्री %
1	हाउस ऑफ उमंग, नैनी	22,87,152	21,17,734	18
2	हाउस ऑफ उमंग, हिमाचल	8,11,994	8,11,994	7
3	फैब इंडिया	8,99,452	8,99,452	7
4	प्रदर्शनियां	3,24,171	3,24,171	3
5	जयपोर ऑनलाइन वेब पोर्टल	10,63,615	7,48,043	6
6	ई–कामर्स द्वारा ऑनलाइन सेल	14,55,382	12,82,275	11
7	अन्य रिटेल के माध्यम	71,89,170	57,97,717	48
	कुल	**1,40,30,936**	**1,19,81,386**	**100**

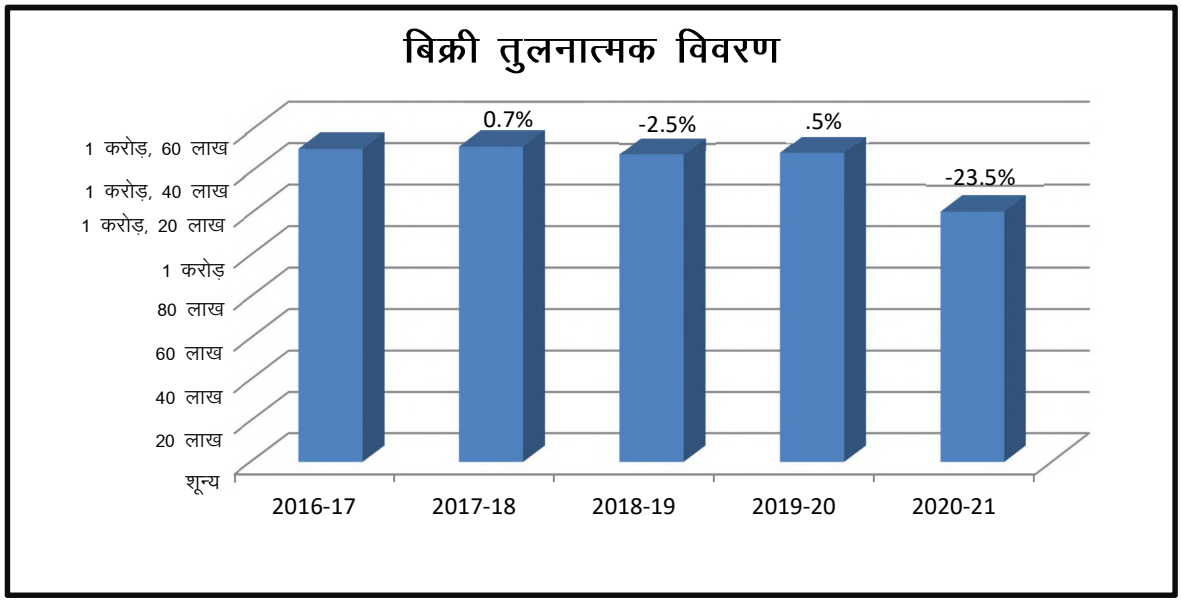

1. बुनाई कार्यक्रम :

बुनाई कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त **56** महिला स्वयं सहायता समूहों की **407** महिलाओं ने हाथ के बुने उत्पादों का उपादन कर आजीविका के रूप में **₹ 10,96,305 (दस लाख छियानबे हज़ार तीने सौ पांच)** अतिरिक्त आय अर्जित की। उत्पाद की गुणवत्ता परखने के लिए समूह का नेतृत्व करने वाली महिलाओं ने अपने समूहों के उत्पादन के आधार पर **₹ 89,377 (नवासी हज़ार तीन सौ सतहत्तर)** की आय अर्जित की। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भता आई है। संचित रूप से नैट बिक्री का **27 प्रतिशत** बुनाई करने वाली महिलाओं ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

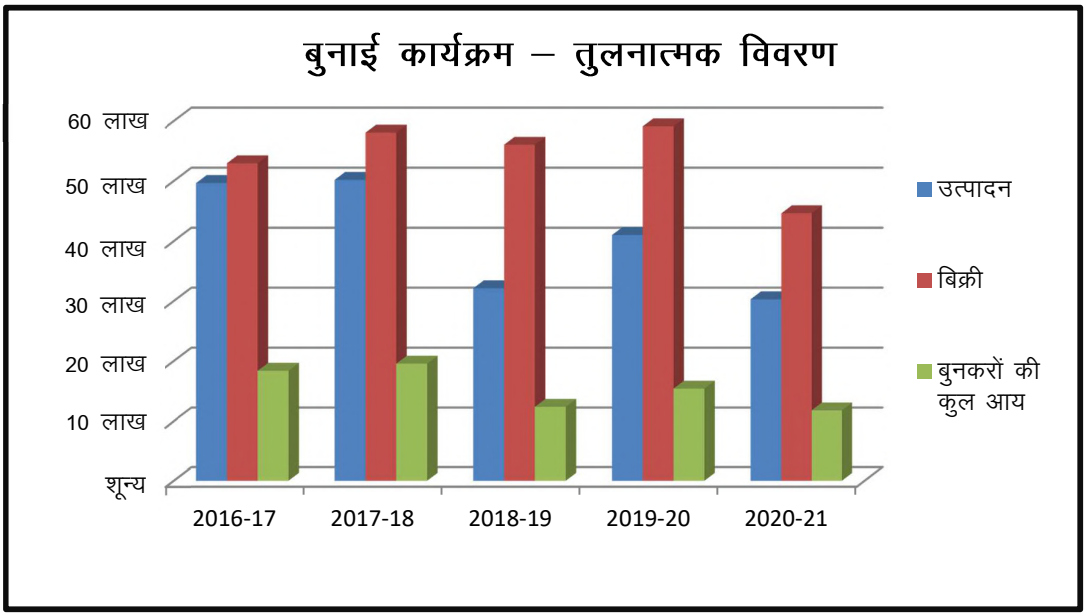

वर्ष 2017–18 के दौरान बुनकरों को आजिविका के नये अवसर प्रदान करने के लिए ताना–बाना के माध्यम से **10** बुनकरों को प्रशिक्षण देकर उनके साथ कुछ नये उत्पादों को बनाने की शुरूआत की गयी थी। इसके अंतर्गत वर्ष 2020–21 में **6** बुनकरों द्वारा कुल **347** पीस बुने गये जिनका उत्पादन मूल्य **₹ 1,92,574 (एक लाख बयानबे हज़ार पांच सौ चौहत्तर)** रहा। जिससे इन बुनकरों ने **₹ 69,285 उन्हत्तर हज़ार दो सौ पच्चासी)** की आय अर्जित की।

बुनाई कार्यक्रम – प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका								
क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल सदस्य	कुल समूह	कुल उत्पादन (पीस)	उत्पाद से आय ₹	लीडर आय ₹	कुल आय ₹
1	गगास अन्य	4	79	6	1,551	3,19,460	26,111	3,45,571
2	कुजगढ़	6	83	8	1,743	2,79,795	22,477	3,02,272
3	सोमेश्वर	3	32	3	404	1,47,970	13,033	1,61,003
4	पनाई	2	31	7	926	1,13,530	8,222	1,21,752
5	दुसाद	6	103	18	381	1,11,140	9,831	1,20,971
6	कोसी	3	44	3	600	79,390	6,086	85,476
7	कनाड़ी	6	26	7	244	35,850	2,956	38,806
8	माल्यागाड़	1	9	4	100	9,170	661	9,831
	कुल	**31**	**407**	**56**	**5,949**	**10,96,305**	**89,377**	**11,85,682**

बुनाई उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर						
विवरण	श्रेणी	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
	प्रथम	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	1,30,680	15	8,712
शहरी क्षेत्र	द्वितीय	निरंतर समूह (रायस्टेट)	गगास अन्य	1,17,850	17	6,932
	तृतीय	लक्ष्य समूह (मालरोड)	कुजगढ़	59,170	11	5,379
	प्रथम	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	44,800	7	6,400
ग्रामीण क्षेत्र	द्वितीय	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	66,100	15	4,407
	तृतीय	कल्पना समूह (देवीढुंगा)	कुजगढ़	46,465	14	3,319

प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य – शहरी क्षेत्र						
क्रम	महिला का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	गधेरे का नाम	कुल मात्रा पीस	उत्पाद से आय ₹
प्रथम	अन्जना कुमारी	415	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	213	22,160
द्वितीय	विमला भट्ट	330	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	46	18,210
तृतीय	शोभा नयाल	2297	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	46	18,180
चतुर्थ	उमा साह	440	निरंतर समूह (राय स्टेट)	गगास अन्य	117	18,120
पंचम्	भावना सती	24	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	165	17,350
प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य – ग्रामीण क्षेत्र						
प्रथम	गीता देवी	298	कल्पना समूह (देवीढुंगा)	कुजगढ	81	10,850
द्वितीय	सुनीता अधिकारी	2966	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	72	7,020
तृतीय	गंगा बिष्ट	62	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	57	5,500
चतुर्थ	रेखा देवी	2964	जय मां भगवती समूह (कालिका)	पनाई	57	5,070
पंचम्	गीता देवी	297	जय मां भगवती समूह (कालिका)	पनाई	39	5,020

बुनाई कार्यक्रम में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से समीक्षा वर्ष **2020–21** में बुनाई कार्यक्रम में भाग लेने वाली **407** महिलाओं में विशेष स्थान प्राप्त करने वाली बुनकर सदस्याओं को समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

2. संरक्षित खाद्य कार्यक्रम :

कुमाँऊ क्षेत्र के आर्थिक विकास का आधार कृषि एवं बाग़वानी है, इसे मद्देनजर रखते हुये एक उचित उद्यम की स्थापना कर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से काश्तकारों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु उमंग को भारत सरकार द्वारा नियंत्रित **एफ0 एस0 एस0 ए0** (फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड ऑथोरिटी) का लायसेन्स भी प्राप्त है। उमंग कुमाँऊनी ब्रांड के नाम से बाजार में निम्नलिखित उत्पादों के विक्रय से काश्तकारों की आर्थिक स्थिति को सदृढ़ बनाने में कार्यरत है।

फल संरक्षण कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वयं सहायता समूहों का गठन कर **28** महिला स्वयं सहायता समूहों के **120** किसान परिवारों से **₹ 3,43,376 (तीन लाख तैंतालीस हज़ार तीन सौ छिहत्तर)** के उत्पादों का क्रय कर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उत्पादकों को उचित मूल्य प्रदान किया गया। संचित रूप से नैट बिक्री का **15** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

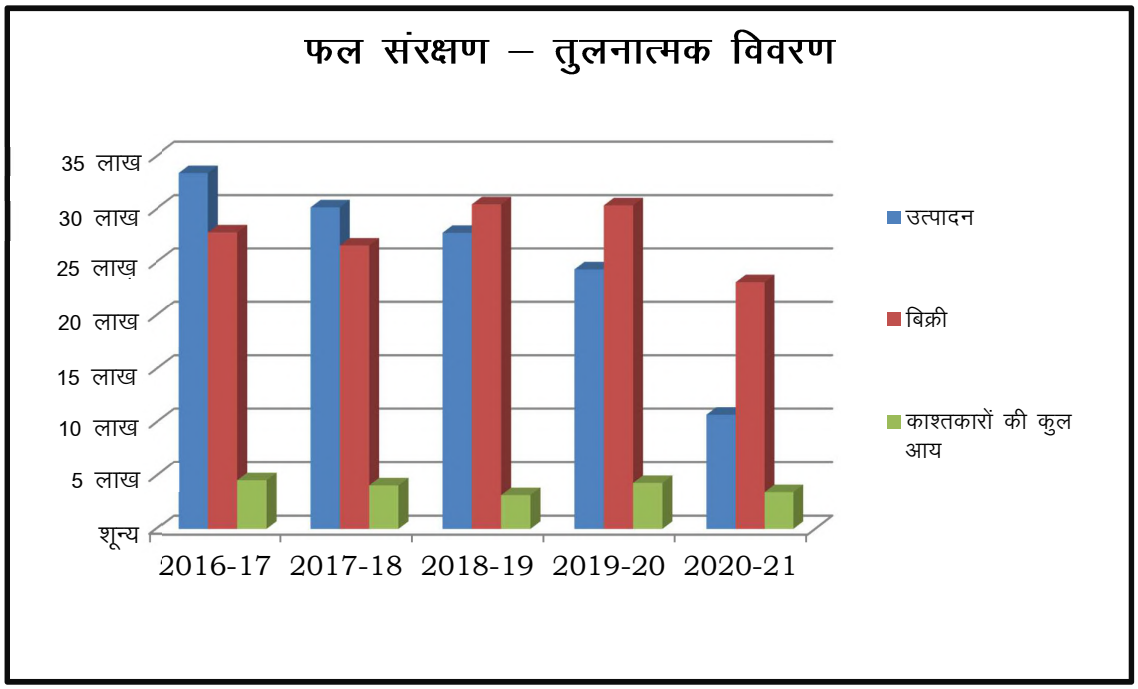

फल संरक्षण कार्यक्रम का प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका							
क्रम संख्या	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹
1	हैडवाटर्स	3	6	39	34	3,346	2,15,678
2	अन्य	3	—	4	—	1,288	37,695
3	कोसी	5	4	30	30	1,299	34,445
4	पनाई	3	8	31	27	931	26,761
5	कुजगढ़	2	—	3	3	459	12,804
6	दुसाद	4	5	8	8	479	12,490
7	माल्यागाड़	2	2	2	2	83	2,284
8	गगास अन्य	1	3	3	2	136	1,219
कुल (उत्तराखण्ड)		**23**	**28**	**120**	**106**	**8,021**	**3,43,376**

फल संरक्षण उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर					
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	सिद्धि विनायक (रतखाल)	हैडवाटर्स	1,28,135	12	10,678
द्वितीय	जय लक्ष्मी समूह (नायल)	हैडवाटर्स	49,437	11	4,494
तृतीय	दूनागिरी मों समूह (कूल)	हैडवाटर्स	20,450	8	2,556

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ फल उत्पादक सदस्य						
क्रम सं.	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	कुल आय ₹
1	हैडवाटर्स	कमला देवी	295	सिद्धि विनायक (रतखाल)	335	22,158
2	कुजगढ़	भावना देवी	2783	(पातली)	230	8,070
3	दुसाद	शोभा जोशी	1443	जय देवी मां (स्यालसुना)	286	7,116
4	कोसी	कमला देवी	2262	किसान समूह (बटुलिया)	150	4,494
5	पनाई	लक्ष्मी देवी	2345	जय मां काली समूह (कालिका)	182	4,469
6	माल्यागाड़	देवकी देवी	66	उज्जवल समूह (लिल्लाड़ी)	78	2,184
7	गगास अन्य	राधिका अधिकारी	–	जीजाबाई समूह (मजखाली)	21	525

फल उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष **2020–21** में फल उत्पादन कार्यक्रम में भाग लेने वाले **120** सदस्यों में विशेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

फल उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	उत्पाद का नाम	उत्पाद (कि0ग्रा0)	मूल्य ₹	प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर
1	लहसुन	2,749	1,80,492	34 %
2	आम	1,260	35,280	16 %
3	प्लम्	573	17,202	7 %
4	माल्टा	530	9,324	7 %
5	खुमानी	441	13,110	5 %
6	अमरुद	417	7,834	5 %
7	कागज़ी नींबू	415	17,501	5 %
8	कीवी	328	30,838	4 %
9	नासपाती	262	1,305	3 %
10	हरी मिर्च	250	7,485	3 %
11	पाइनएप्पल	248	11,928	3 %
12	टमाटर	200	3,000	2 %
13	बड़ा नींबू	173	1,725	2 %
14	सेब	144	4,032	2 %
15	अदरख	32	2,321	0 %

3. हिमखाद्य कार्यक्रम :

अधिक से अधिक काश्तकारों को आजीविका एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उमंग द्वारा अतिरिक्त फसलों के क्रय – विक्रय के कार्यक्रम को प्रोत्साहन दिया गया। हमारा मुख्य उद्देश्य जहां एक ओर वर्षा आधारित लुप्त हो रही पारम्परिक फसलों को बढ़ाना है वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उचित मूल्यों पर बाज़ार में जैविक खाद्य सामग्री को उपलब्ध कराना भी है। इन उत्पादों को उमंग, हिमखाद्य के नाम से बेचता है।

समीक्षा वर्ष के दौरान **58** स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से **467** किसानों ने अपने विभिन्न उत्पादों को विक्रय कर, **₹ 24,03,120 (चौबीस लाख तीन हज़ार एक सौ बीस)** की आय अर्जित की। संचित रूप से नैट बिक्री का **56** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

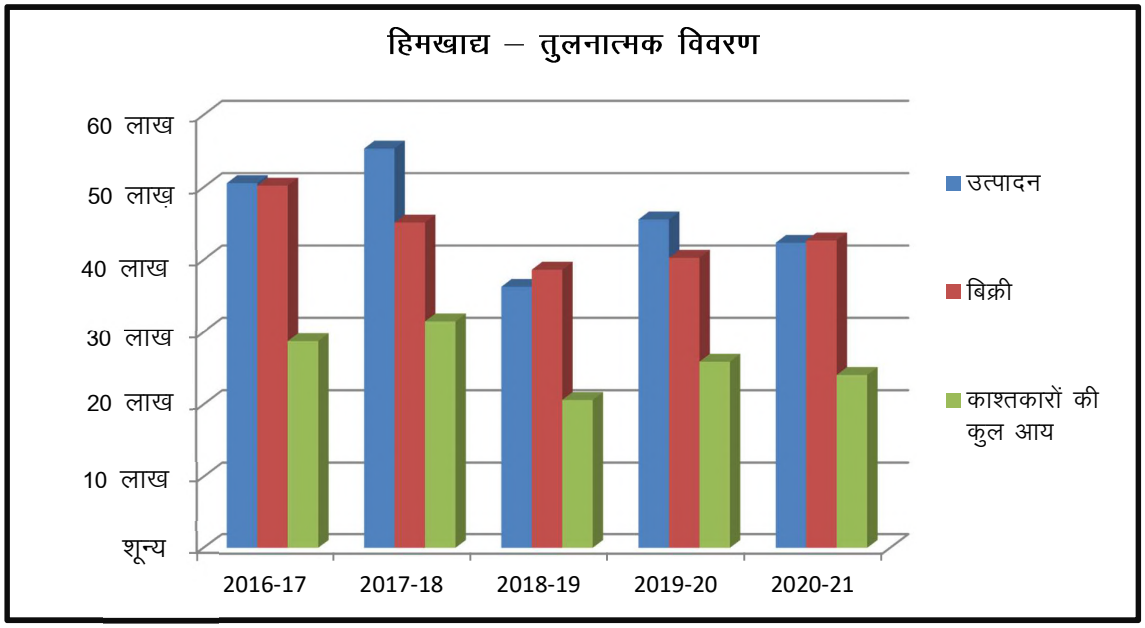

हिमखाद्य कार्यक्रम – प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका							
क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.	उत्पाद से आय ₹
1	अन्य	8	–	50	–	12,525	7,55,539
2	दुसाद	7	19	146	115	5,553	3,64,560
3	कोसी	5	3	38	24	1,699	1,56,137
4	कनाड़ी	14	15	108	50	2,262	1,46,608
5	हैडवाटर्स	4	7	23	21	570	47,373
6	माल्यागाड़	3	7	42	37	704	28,122
7	रिसकन	1	1	7	6	298	18,415
8	पनाई	1	3	11	10	127	7,371
9	कुजगढ़	1	–	1	1	2	2,200
कुल (उत्तराखण्ड)		**44**	**55**	**426**	**264**	**23,740**	**15,26,325**
10	हिमाचल	21	3	41	10	4,924	8,76,795
कुल		**65**	**58**	**467**	**274**	**28,665**	**24,03,120**

उत्तराखण्ड के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर					
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	जय भूमिया समूह (मल्ला सतीनौगाँव)	दुसाद	58,165	12	4,847
द्वितीय	महिला उत्थान समूह (टनोला)	कनाड़ी	42,324	10	4,232
तृतीय	साहस समूह (बरगला)	दुसाद	20,472	5	4,094

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – उत्तराखण्ड से						
क्रम	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹
1	कोसी	किशना देवी	2787	(बना)	475	57,000
2	कनाड़ी	भावना बुधोड़ी	984	महिला उत्थान (टनोला)	253	16,430
3	दुसाद	आशा सती	1565	नवनीत समूह (तल्ला सतीनौगाँव)	137	9,615
4	माल्यागाड़	मंजू देवी	2986	जय कृष्णा समूह (मुझोली)	47	2,728
5	हैडवाटर्स	गंगा देवी	276	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	65	6,500
6	रिसकन	कलावती रौतेला	2604	ज्ञानद्वीप समूह (रतखाल)	106	6,160
7	पनाई	कला देवी	379	जय मां काली समूह (कालिका)	36	1,931

हिमाचल के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर				
क्रम	समूह का नाम	उत्पाद से आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	चुड़ेश्वर समूह	81,890	3	27,297
द्वितीय	खलोगेश्वर समूह	1,62,655	2	21,838
तृतीय	सेन्धार समूह	70,530	4	17,633

प्रथम तीन श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – हिमाचल					
क्रम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹
प्रथम	रेखा देवी	253	खलोगेश्वर (भलग)	250	47,500
द्वितीय	कान्ता देवी	3057	चुड़ेश्वर (चौरांस)	200	36,000
तृतीय	किरन देवी	3062	चुड़ेश्वर (गरारी)	131	24,890

हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष **2020–21** में हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में उत्तराखण्ड से भाग लेने वाले **467** सदस्यों में विशेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

हिमखाद्य उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	**उत्पाद का नाम**	**उत्पाद (कि0ग्रा0)**	**मूल्य ₹**	**प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर**
1	चौलाई	6,013	3,37,337	21 %
2	अखरोट	4,744	8,41,995	16.6 %
3	काला भट्ट	2,357	1,28,052	8.2 %
4	धान	2,173	90,495	7.6 %
5	सरसों	1,774	93,585	6 %
6	सोयाबीन	1,392	50,947	4.9 %
7	गेंहू	1,362	34,045	4.8 %
8	हल्दी	1,171	1,13,254	4.1 %
9	मसूर	1,145	60,627	4 %
10	उगल	1,101	75,076	3.8 %
11	राजमा	998	1,20,586	3.5 %
12	मडुवा	899	21,269	3.1 %
13	तिल	618	72,482	2.2 %
14	झिंगोरा	571	12,175	2 %
15	धनिया	530	63,612	1.9 %
16	मूंग दाल	402	32,176	1.4 %
17	गहत	391	44,915	1.4 %
18	मेथी	294	17,326	1 %
19	लाल मिर्च	216	26,026	0.8 %
20	कैमोमाइल	145	65,246	0.5 %
21	राई	110	7,728	0.4 %
22	मक्का आटा	110	3,300	0.4 %
23	अनारदाना	70	31,500	0.2 %
24	बड़ी इलायची	52	57,200	0.2 %
25	तेजपात	15	937	0.1 %

समीक्षा वर्ष के दौरान पारम्परिक फसलों के साथ–साथ बाज़ारी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगदी फसलों की बढ़ोतरी के प्रयास के चलते कैमोमाइल का उत्पादन जारी रहा, जिसका विवरण निम्न प्रकार है :

क्रम	**वर्ष**	**गाँव**	**काश्तकार**	**उत्पादन (किग्रा0)**	**आय ₹**	**बिक्री ₹**
1	2016–17	17	109	165	57,328	3,95,789
2	2017–18	24	178	299	1,19,119	5,51,380
3	2018–19	19	150	395	1,77,749	3,43,033
4	2019–20	13	118	461	2,07,487	3,60,655
5	2020–21	11	113	145	65,246	3,88,974

जैविक सहभागी प्रमाणीकरण प्रक्रिया

उत्तराखण्ड के अधिकांश भागों में खेती पारम्परिक रुप से जैविक रही है। उमंग अपनी पर्यावरणीय सुरक्षा के प्रति वचनबद्धता, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण एवं पर्वतीय खेती की सत्ता को ध्यान में रखते हुए अपने काश्तकार उत्पादक सदस्यों के बीच जैविक सहभागी प्रमाणीकरण (पी0जी0एस0) योजना को प्रोत्साहन दे रही है। इस योजना के अंतर्गत निम्न क्षेत्रों के काश्तकारों ने अपनी ज़मीन पर सजीव खेती करने की प्रतिज्ञा ली। समीक्षा वर्ष के दौरान इन सभी काश्तकारों ने जैविक खेती की प्रक्रिया को जारी रखा।

क्र.सं.	गधेरा	गाँव	स्वयं सहायता समूह	काश्तकार	भूमि (एकड़)
1	दुसाद	15	44	506	353
2	हैडवाटर्स	4	10	126	75
3	कनाड़ी	11	15	156	69
4	कोसी	1	1	21	13
5	माल्यागाड	7	18	204	70
कुल		**38**	**88**	**1,013**	**580**

4. मौन पालन कार्यक्रम :

समीक्षा वर्ष में मौन पालकों से **₹ 1,32,145 (एक लाख, बत्तीस हज़ार, एक सौ पैंतालीस)** के शहद का क्रय किया गया। जो मौन पालन कार्यक्रम से होने वाली कुल बिक्री का **14** प्रतिशत है। इस वर्ष शहद की कुल बिक्री **₹ 9,38,886 (नौ लाख अड़तीस हज़ार आठ सौ छियासी)** हुई।

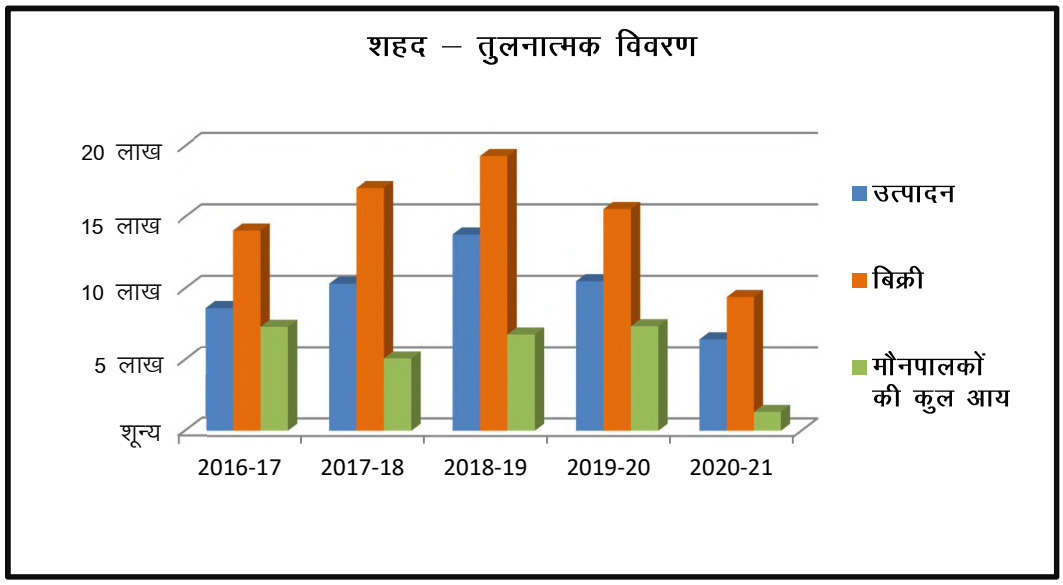

विभिन्न राज्यों में उमंग उत्पादों की उपलब्धता

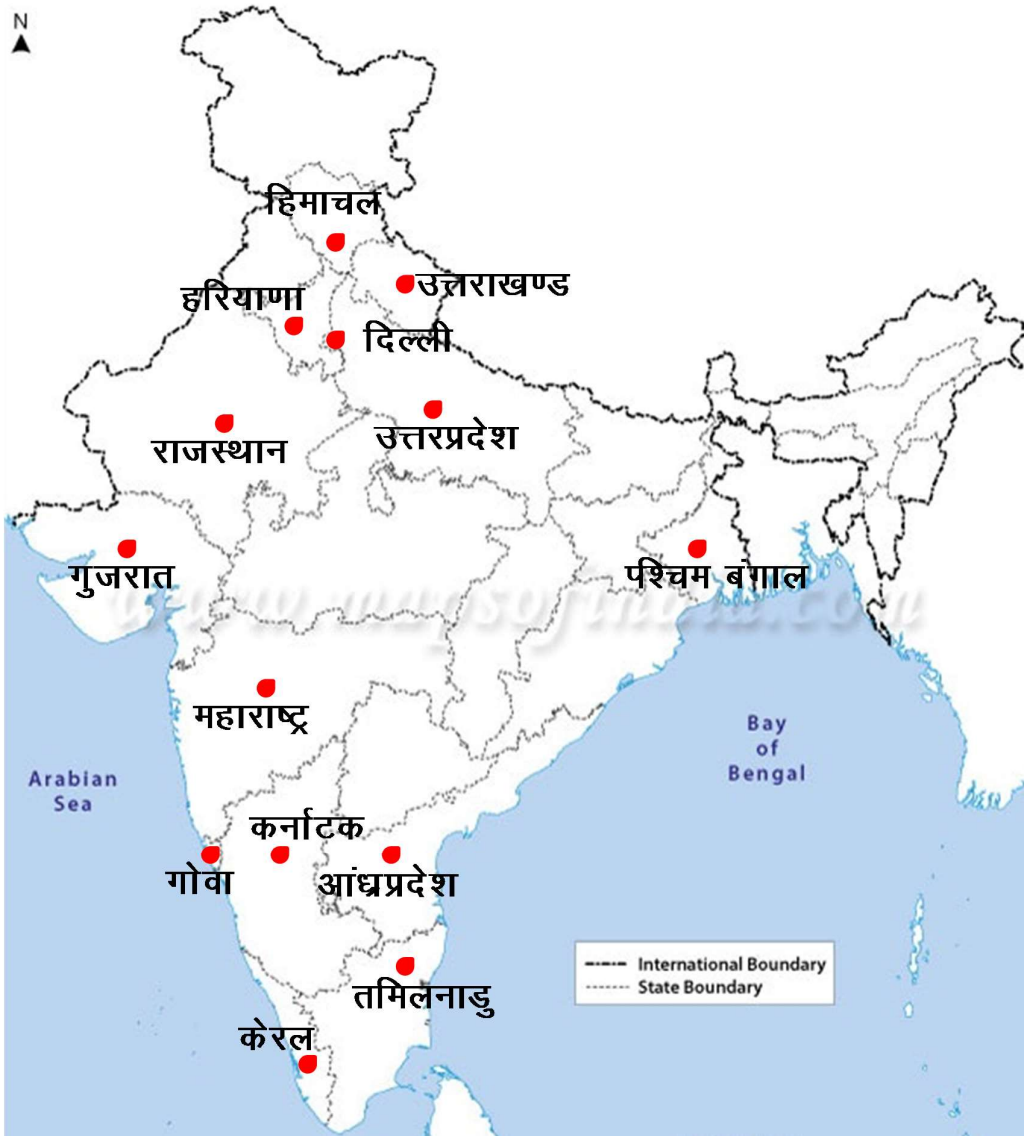

कुल यौगिक कार्यक्रम : प्रतिभागी विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल प्रतिभागी	एस.एच.जी.		कुल उमंग अंश धारक		उमंग उत्पादक				
				प्रतिभागी एस.एच.जी.	प्रतिभागी एस.एच.जी सदस्य	अंश धारक एस.एच.जी.	अंश धारक सदस्य	हिमखाद्य उत्पादक	फल उत्पादक	बुनकर	मौन पालक	एक से अधिक कार्यक्रम में जुड़े सदस्य
1	दुसाद	8	176	21	157	21	145	146	8	103	—	76
2	गगास अन्य	4	80	6	80	6	79	—	3	79	—	2
3	हैडवाटर्स	4	50	9	45	8	43	23	39	—	—	12
4	कनाड़ी	14	114	15	91	13	56	85	—	26	—	20
5	कोसी	7	89	5	72	5	75	38	30	44	—	23
6	कुजगढ़	6	86	8	83	8	86	—	3	83	—	1
7	माल्यागाड़	4	49	9	46	9	44	42	2	9	—	3
8	अन्य	13	57	—	—	—	—	50	4	—	3	—
9	पनाई	3	49	8	46	7	43	11	31	31	—	21
10	रिसकन	1	7	1	7	1	6	7	—	—	—	—
11	सोमेश्वर	3	32	3	32	3	32	—	—	32	—	—
कुल (उत्तराखण्ड)		**67**	**789**	**85**	**659**	**81**	**609**	**402**	**120**	**407**	**3**	**158**
12	हिमाचल	21	41	3	9	3	10	41	—	—	—	—
कुल		**88**	**830**	**88**	**668**	**84**	**619**	**443**	**120**	**407**	**3**	**158**

कुल यौगिक कार्यक्रम : कुल आय विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	हिमखाद्य उत्पादकों की आय	फल उत्पादकों की आय	बुनकरों की आय	बुनकर लीडरों की आय	मौन पालकों की आय	कुल यौगिक आय
1	अन्य	7,55,539	37,695	—	—	1,32,145	9,25,379
2	हिमाचल	8,76,795	—	—	—	—	8,76,795
3	दुसाद	3,64,560	12,490	1,11,140	9,831	—	4,98,021
4	गगास अन्य	—	1,219	3,19,460	26,111	—	3,46,790
5	कुजगढ़	2,200	12,804	2,79,795	22,477	—	3,17,276
6	कोसी	1,56,137	34,445	79,390	6,086	—	2,76,058
7	हैडवाटर्स	47,373	2,15,678	—	—	—	2,63,051
8	कनाड़ी	1,46,608	—	35,850	2,956	—	1,85,414
9	सोमेश्वर	—	—	1,47,970	13,033	—	1,61,003
10	पनाई	7,371	26,761	1,13,530	8,222	—	1,55,884
11	माल्यागाड़	28,122	2,284	9,170	661	—	40,237
12	रिसकन	18,415	—	—	—	—	18,415
कुल अर्जित राशि		**24,03,120**	**3,43,376**	**10,96,305**	**89,377**	**1,32,145**	**40,64,323**

यौगिक आंकलन से पता चलता है कि समीक्षा वर्ष के दौरान संचित रूप से नैट बिक्री का 34 प्रतिशत रुपया सीधे तौर पर उमंग से जुड़े काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

सारांश

उमंग के उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन स्थानीय **12** निपुण कार्यकर्ताओं द्वारा निदेशक मण्डल के मार्गदर्शन में किया गया इसके लिए उनके द्वारा **₹ 11,34,860 (ग्यारह लाख चौंतीस हज़ार आठ सौ साठ)** की आय अर्जित की गयी जो कि संस्था के कुल व्यवसाय का **8** प्रतिशत है। फल संरक्षण एवं हिमखाद्य के उत्पादों के उत्पादन के लिए स्थानीय बेरोजगार महिलाओं की एक टीम को **1,551 (एक हज़ार पांच सौ इक्यावन)** मानवदिवस का रोजगार प्राप्त हुआ जिससे उन्होंने **₹ 3,10,166 (तीन लाख दस हज़ार एक सौ छियासठ)** की आय अर्जित की।

संक्षिप्त रूप में समीक्षा वर्ष के दौरान उद्यमता के विकास में उमंग एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने में सक्षम रही एवं परिणाम स्वरूप क्षेत्र के 830 (आठ सौ तीस) परिवारों ने ₹ 55,10,349 (पचपन लाख दस हज़ार तीन सौ उन्चास) की निरन्तर पूरक आय अर्जित कर (प्रति सदस्य ₹ 6,639) कुमाँऊ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दिया।

आभार

महिला उमंग प्रोड्यूसर कम्पनी की वार्षिक पत्रिका का समापन करते हुये हम अपने सभी ग्राहकों, मित्रों एवं शुभचिन्तकों, वित्तीय संस्थाओं, सरकारी एवं संस्थागत सहयोगियों, फल एवं खाद्य संरक्षण अधिकारियों, हमारे द्वारा उत्पादित सामान के सभी विक्रेता, समस्त उत्पादक महिलाओं एवं काश्तकारों का आभार प्रकट करते हैं।

निदेशक मण्डल

श्रीमती इन्द्रा रावत
मालरोड, रानीखेत
कार्यकारी निदेशिका

श्रीमती मंजू देवी,
मुझोली, माल्यागाड
अध्यक्ष

श्रीमती उमा देवी,
बगथल, माल्यागाड़

श्रीमती इन्द्रा कबडवाल,
उभ्याड़ी, दुसाद

श्रीमती गीता मेहता
मजखाली, रानीखेत

श्रीमती नीमा बिष्ट
डौड़ाखाल, कनाड़ी

श्रीमती ईश्वरी रावत
सुरना, हैडवाटर्स

उमंग गीत

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

यह उमंग है आप सभी का मिलकर इसे संवारेंगे,

हक़ अपना मिल सके सभी को इसके लिए विचारेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जंगल, पानी और लकड़ी का रिश्ता बहुत पुराना है,

पेड़ों को कटने नहीं देंगे हमने मन में ठाना है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जो बहनें हैं ग़म की मारी, बेबस हैं, मजबूर हैं,

उनके लिए उमंग का नाम अंधेरे में नूर है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

आओ मिलकर अपने मन में यह विश्वास जगायेंगे,

एक दूजे का बनें सहारा मिलकर क़सम उठायेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

बुलंद उत्तराखण्ड की बुलंद तस्वीर,

हमारा आज हमारा उमंग, हमारा कल हमारा उमंग,

हमारा उमंग, हमारा उमंग, हमारा उमंग।।